सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 100 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 14 मई, 2025

मूल्य ₹ 3/-

आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर... 7 | सेना के पराक्रम पर फैला सियासी... 3 | प्रदेश के अस्पतालों में लापरवाही... 2

किसी मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी हैं जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना।

-चाणक्य

भाजपाई मंत्री के जहरीले बोल पर देश आगबबूला

पूरे विश्व में भारत की किरकिरी करवा रहे हैं बीजेपी के बड़बोले नेता

शाह के इस्तीफे की मांग तेज, मायावती ने लताड़ा

» कर्नल सोफिया को लेकर जारी किया था बयान

» सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी मंत्री ही गिरा रहे हैं बिजलियां

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह का बयान पर पूरे देश में बवाल मच गया है। बयान में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है जिसे लेकर विपक्ष, सैन्य विशेषज्ञ और आम जनता के बीच तीव्र प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। बसपा प्रमुख मायावती ने तत्काल शाह पर कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी विजय शाह को मंत्रीमंडल से बर्खास्त कर जेल में डालने की अपील जारी की है।

गौरतलब है कि विजय शाह के एक वायरल वीडिया में वह आपेरशन सिंदर को लेकर बात करते हुए सुने जा सकते हैं जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा रहा हैं कि जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे उन्हीं लोगों को उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवाई। उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिन्दुओं को मारा और पीएम मोदी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी-तैसी करने के लिए उनके घर भेजा।

मंत्री को लगी फटकार

मामला तूल पकड़ते देख भाजपा ने मंत्री को तलब कर लिया है। बताया जा रहा है कि मंत्री विजय शाह ने इस मामले में माफी भी मांगी है। बताया जा रहा है कि संगठन की तरफ से फटकार भी लगाई गई है। इस दौरान बयानबाजी करने से परहेज करने को कहा गया है। कर्नल सोफिया कुरैशी भी मध्य प्रदेश से आती हैं। और विवादित बयान जारी करने वाले मंत्री भी मध्य प्रदेश कैबिनेट से है।

सुनियोजित बयान है यह

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए अपमानजनक और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की है। उनकी टिप्पणी को भारतीय सेना, राष्ट्रीय एकता और सशस्त्र बलों में सेवा देने वाली महिलाओं के सम्मान का घोर अपमान बताया गया है। एमआरएम के राष्ट्रीय संयोजक शाहिद सईद ने इस टिप्पणी को जानबूझकर और सुनियोजित रूप से सेना के साहस और विश्वसनीयता को कमतर दिखाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब पूरा देश बाहरी खतरों के खिलाफ एकजुट है और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से हमारे सैनिकों के साहस को सलाम कर रहा है यह शर्मनाक बयान न केवल अस्वीकार्य है बल्कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण भी है।

मंच की मांग- शाह को तुरंत मंत्री पद से हटाया जाए

विजय शाह को तुरंत मंत्री पद से हटाया जाए। उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए। कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए। एमआरएम ने स्पष्ट किया कि देश की सेवा में समर्पित महिला अधिकारी के चरित्र पर हमला केवल उनके लिए नहीं, बल्कि सेवा, बलिदान और राष्ट्र गौरव की भावना के लिए अपमानजनक है। यह बयान उस मानसिकता को दर्शाता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों और सैन्य मनोबल दोनों के लिए खतरनाक है। शाहिद सईद ने कहा, भारतीय सैनिक चाहे वे किसी भी लिंग, धर्म या पृष्ठभूमि से हों हमारे राष्ट्र का गौरव हैं। उन्हें बदनाम करने का कोई भी प्रयास भारत पर सीधा हमला है। देश की जनता ऐसे किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति के इस तरह के व्यवहार को कभी स्वीकार नहीं करेगी। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कर्नल सोफिया कुरैशी और देश की संप्रभुता की रक्षा करने वाले हर सैनिक के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। एमआरएम भारतीय सेना के प्रति अपने गहरे सम्मान और प्रतिबद्धता को पुनः दोहराता है और मांग करता है कि उनकी गरिमा का अपमान करने वालों को कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाए।

मायावती फ्रंटफुट पर

मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर बसपा मुखिया मायावती ने उन्हें कटघरे में खड़ा कर कहा कि भाजपा व केंद्र सरकार गंभीरता से लेकर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई जरूर करे। बसपा मुखिया मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की महिला अफसर के प्रति घृणित, असभ्य व अमर्यादित टिप्पणी, वास्तव में जोश व उमंग के उस पूरे अच्छे माहौल को नष्ट करने वाली है। जब पूरा देश भारतीय सेना की पाकिस्तान के विरुद्ध आपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित है तब यह अति-दुखद व शर्मनाक है। उन्होंने आगे लिखा कि इस क्रम में मध्यप्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा महिला सेना अधिकारी के संबंध में की गई अभद्र टिप्पणी को भाजपा व केन्द्र सरकार गंभीरता से लेकर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई जरूर करे ताकि दुश्मनों के नापाक मंसूबे नाकाम हों और देश में आपसी भाईचारा व समरसता न बिगड़ने पाए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव शाह की टिप्पणी पर जवाब दें : पटवारी

कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शाह का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि भाजपा तुरंत यह बताए कि क्या वह विजय शाह की घटिया सोच से सहमत है? उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से शाह की टिप्पणी पर जवाब देने को कहा। प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया विभाग ने आरोप लगाया कि शाह का यह ''अशोभनीय'' और ''नफरत भरा'' बयान केवल एक व्यक्ति पर ही हमला नहीं, बल्कि भारत की सैन्य गरिमा, राष्ट्रीय एकता और महिला सम्मान पर खुला प्रहार है। विवाद बढ़ने पर भाजपा की मध्यप्रदेश इकाई के संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने शाह को भोपाल स्थित प्रदेश मुख्यालय तलब किया।

अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए : खरगे

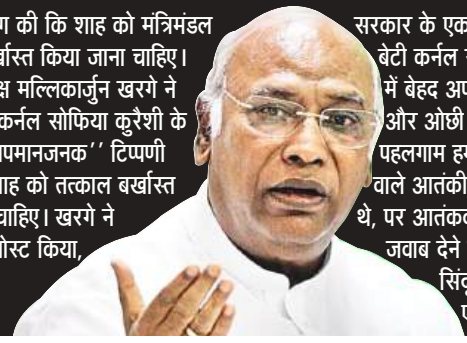

कांग्रेस ने मांग की कि शाह को मंत्रिमंडल से फौरन बर्खास्त किया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में ''अपमानजनक'' टिप्पणी करने वाले शाह को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा की मध्यप्रदेश सरकार के एक मंत्री ने हमारी वीर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में बेहद अपमानजनक, शर्मनाक और ओछी टिप्पणी की है। पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकी देश को बांटना चाहते थे, पर आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरे 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश एकजुट था।''

प्रदेश के अस्पतालों में लापरवाही चरम पर : अखिलेश

» बोले- भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया है। अस्पतालों में लापरवाही चरम पर है। गरीबों को पर्याप्त दवा, इलाज नहीं मिल पा रहा है। इलाज के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। मेडिकल कॉलेजों में इलाज के लिए पर्याप्त दवाएं, जांच, प्रोफेसर, डाक्टर, नर्स तकनीकी स्टाफ आदि की सुविधाओं का अभाव है। बड़े अस्पतालों में दलालों का बोलबाला है। दवाओं और मशीनों की खरीद बिक्री में कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार ने पूरी व्यवस्था को पंगु बना दिया है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने गंभीर रोगों हार्ट, लीवर, किडनी, कैंसर के इलाज की विशेष व्यवस्था की थी। भाजपा ने कैंसर अस्पताल की सारी व्यवस्थाएं अव्यवस्था में बदल दी। गरीब मरीज कहां जाए?सरकार मेडिकल कॉलेजों को आवश्यकतानुसार बजट नहीं दे रही है। मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ डाक्टरों की भारी कमी है। कई अच्छे डॉक्टर इस्तीफा देकर चले गए है। जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज बस रेफर सेंटर बन कर रह गये हैं। सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा के कारण मरीज निजी अस्पतालों में जाने पर मजबूर है। जहां उनके साथ इलाज के नाम पर लूट हो रही है। झूठे विज्ञापनों और दावों के बल पर स्वास्थ्य व्यवस्था सुधरने से रही। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता स्वास्थ्य सेवाओं की बर्बादी के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार मानती है। जनता को विश्वास है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार 2027 में भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार लाने पर ही संभव हो सकेगा।

सरकार के पास बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है

श्री यादव ने कहा कि सरकार के पास बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है। भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में जिलास्तर का कोई अस्पताल नहीं बनाया। वह समाजवादी सरकार में बने अस्पतालों में सुविधाएं नहीं दे रही है। प्रदेश में स्थित पीएचसी और सीएचसी में हालत बेहद खराब है। इनमें इलाज कराने से मरीज डरते है। कई जिलों में मेडिकल कॉलेज के नाम पर अधूरे भवन खड़े है। वहां पर मरीजों के लिए एम्बुलेंस और स्टेऊअर तक की सुविधा नहीं है। अस्पतालों में अग्निकांड लापरवाही की वजह से हो रहे है। मरीजों की जान जोखिम में है। सुरक्षा मानकों का कोई पालन नहीं किया जा रहा है।

अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश

अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजवादी पार्टी के अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव रामशरण नागर के आवेदन पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) रवि कुमार सागर की अदालत ने मंगलवार को सूरजपुर कोतवाली पुलिस को अमरेंद्र प्रताप सिंह और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। नागर ने बताया कि 12 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया जिसमें एक युवक को अपने कुछ साथियों के साथ सपा अध्यक्ष को गोली मारने की धमकी देते देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अधिवक्ता सभा द्वारा आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर 19 अप्रैल को सूरजपुर थाने में तहरीर दी गई थी। नागर ने दावा किया, ''इसके बाद 21 अप्रैल को पुलिस आयुक्त को भी एक लिखित शिकायत दी गई। इसके बावजूद पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया।वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने 23 अप्रैल को जिला अदालत में आवेदन दायर किया था जिसे मंगलवार को स्वीकार करते हुए सूरजपुर कोतवाली पुलिस को आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया। पुलिस की तरफ से तत्काल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है कि उसने प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की।

लीज पर लिए गए चीनी विमान को कहां उतारेगा पाक : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और देश के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर पर भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा पाकिस्तान वायुसेना (पीएएफ) के रहीम यार खान एयरबेस पर किए गए हमले के बाद कड़ा प्रहार किया। 10 मई की सुबह किए गए ऑपरेशन के दौरान आठ एयरबेसों में से एक एयरबेस पर हमला किया गया था।

» एआईएमआईएम प्रमुख ने शहबाज और मुनीर को दी चुनौती

ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट किया, क्या शरीफ और मुनीर अपने लीज पर लिए गए चीनी विमान को रहीम यार खान एयरबेस पर उतार पाएंगे? रहीम यार खान, पीएएफ की सेंट्रल कमांड के लिए एक अग्रिम संचालन बेस के रूप में कार्य करता है। यह शेख जायद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ अपना एकमात्र रनवे साझा करता है, जिसका नाम यूएई के पहले राष्ट्रपति शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने हवाई अड्डे के टर्मिनल के निर्माण को वित्तपोषित किया था। पाकिस्तान नागरिक उड्डयन प्राधिकरण इस सुविधा पर दैनिक संचालन की देखरेख करता है। राजस्थान के साथ पाकिस्तान की सीमा के पास स्थित, एयरबेस को पीएएफ के हमले के दौरान गंभीर नुकसान हुआ, जिससे रनवे में एक बड़ा गड्ढा बन गया और एक सप्ताह के लिए सभी उड़ान संचालन ठप हो गए।

पीएम मोदी ने ट्रंप के बयान का खंडन क्यों नहीं किया : चंद्रशेखर

» सांसद बोले- अगर सरकार दृढ़ होती तो सीमा पार आतंकवाद के अंत को देख सकते थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम तो हो गया है लेकिन देश के अंदर कुछ नेता मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के प्रबंधन पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।

सैन्य संघर्ष के दौरान उनकी वीरता अद्वितीय थी। यदि सरकार अधिक दृढ़ होती, तो हम सीमा पार आतंकवाद के अंत को देख सकते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे का जिक्र करते हुए सांसद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने अमेरिका के दबाव में युद्धविराम पर सहमति जताई। नागिना के सांसद आजाद ने कहा कि हम सभी जानना चाहते हैं कि सच कौन बोल रहा है? हमारे प्रधानमंत्री ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ट्रंप का खंडन करने का अवसर नहीं लिया। वहीं जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के पाकिस्तान को और अधिक प्रभावी तरीके से पीटे जाने वाले बयान पर सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि वह देश में प्रचलित भावना को दोहरा रहे हैं। हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ होनी चाहिए, न कि पाकिस्तान के खिलाफ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाईटेड ने भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर वक्फ संशोधन बिल के मुद्दे पर अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सांसद ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार ने जम्मू और कश्मीर में शहीद हुए बीएसएफ के उप-निरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज को उचित सम्मान नहीं दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को धोखा दिया : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य टकराव के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी। सीजफायर की घोषणा के बाद मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर है। विपक्ष लगातार सीजफायर को लेकर भाजपा सरकार को घेरने में लगा है। आम आदमी पार्टी ने इसे लेकर कड़े सवाल खड़े किए हैं।

» सीजफायर पर आप सांसद ने सरकार को घेरा

दिल्ली में आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।दिल्ली में आप कार्यकर्ताओं ने ओखला में मोदी फ्लोर मिल्स के पास फुटओवर ब्रिज पर प्रदर्शन किया। बैनर लेकर आप कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। बैनर पर लिखा है, पीओके का छोड़ा मौका, मोदी का देश का धोखा। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा की। यह भारत की संप्रभुता पर कड़ा प्रहार है, जबकि भारतीय सेना के पास पीओके को कब्जाने और बलूचिस्तान को अलग करने का बड़ा अवसर था। उन्होंने कहा कि 78 साल से पाकिस्तान के मामले में भारत ने कभी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं स्वीकार की, तो फिर आज अमेरिका कहां से आ गया। भारत अपने फैसले लेने में सक्षम है। हमारी संप्रभुता, स्वाभिमान और सम्मान से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं है।

पप्पू यादव ने एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती के माता-पिता से मुलाकात की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव जिले के झुन्नी कलां गांव में वायु अभियान महानिदेशक (डीजीएओ) एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती के माता-पिता से मुलाकात की।'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हवाई अभियानों में भारतीय वायुसेना के अधिकारी भारती की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए छह मई की देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था। इसके बाद पाकिस्तान के सभी हमलों का जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत दिया गया। पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले यादव ने कहा कि उन्होंने अधिकारी का अभिनंदन करने और उनके माता-पिता से बातचीत करने के लिए उनके पैतृक गांव का दौरा किया। यादव ने कहा, ''यह केवल पूर्णिया के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है।

सेना के पराक्रम पर फैला सियासी भ्रम!

ट्रंप का दावा ट्रेड रोकने की धमकी के चलते हुआ युद्ध विराम

- विपक्ष ने राजनैतिक लाभ न लेने की अपील की
- कांग्रेस बोली सिंदूर का सौदा नहीं मंजूर
- युद्ध के बाद सरकार और विपक्ष में तू-तू-मैं-मैं
- संसद के विशेष सत्र की मांग पर अड़ा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में कुछ हो और उस पर सियासत न हो ऐसा हो नहीं सकता है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासी वार-पलटवार में लग गए हैं। विपक्ष जहां इस पूरे अभियान का श्रेय सेना व सशस्त्र बलों को देना चाहता हैं वहीं सत्ता में बैठी भाजपा श्रेय तो सेना को देना चाहती है पर कहीं न कहीं इसका राजनीतिक लाभ लेने की जुगत में लगी है। भारत पाक सीमा पर भले ही युद्ध विराम हो गया हो लेकिन भारत-पाक वर्चुअल युद्ध जारी है। और इस बार यह युद्ध आईटी सेल या फिर ट्रोल आर्मी द्वारा नहीं लड़ा जा रहा बल्कि इस युद्ध में पत्रकार, रिटायर्ड जनरल, फिल्मी हस्तियाँ, पूर्व राजनयिक और आम नागरिक भी दो ध्रुवों में बंटे प्रातीत हो रहे हैं।

आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है और हर कोई अपने-अपने हिसाब से युद्ध के बाद की स्थितियों को परिभाषित कर रहा है। विपक्ष पीएम के राष्ट्र के नाम संबोधन से सहमत नहीं है और वह संसद के विशेष सत्र की मांग पर अड़ गया है। जनता सीज फायर पर सरकारी फैसले से सहमत नहीं है और इसे अमेरिका का दखल मान रहीं है। इस पूरे परिदृश्य में अब यह समझना ज़रूरी हो गया है कि यह सिर्फ विचारों का संघर्ष नहीं है बल्कि एक लोकतांत्रिक समाज की गहराती वैचारिक खाई का प्रतिबिंब भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैन्य तनाव खत्म करने वाली सहमति के बाद पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कड़े रुख को दोहराया और कहा कि नई दिल्ली इस्लामाबाद के साथ केवल आतंकवाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से संबंधित मुद्दों पर ही बात करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के निरंतर निर्यात से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने आतंकवादी संगठनों को संरक्षण देने और बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की सेना और सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के समर्थन से उनका पतन हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी उन रिपोर्टों के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम के लिए कुछ शर्तें रखी हैं, जिसमें सिंधु जल संधि को पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव भी शामिल है। हालांकि, भारत ने कहा है कि अगर कोई बातचीत होगी, तो वह आतंकवाद और पीओके तक ही सीमित रहेगी। ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका द्वारा दोनों देशों को ट्रेड रोकने की धमकी असर कर गयी और दोनो देश युद्ध विराम के लिए राजी हो गये। अमेरिकन प्रेसीडेंट ने यह भी दावा किया कि उन्होंने युद्ध विराम करवा के लाखों लोगों की जिंदगी को बचा लिया। उनका कहना है कि भारत—पाक युद्ध परमाणू आक्रमण के मुहाने पर पहुंच चुका था।

रक्षा अताशे (डीए) को दी ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी

नई दिल्ली में विभिन्न देशों के रक्षा अताशे (डीए) को ऑपरेशन सिंदूर के तकनीकी विवरण से अवगत कराया जो देश का हाल ही में हुआ आतंकवाद विरोधी सैन्य अभियान है। भारतीय सशस्त्र बल महत्वपूर्ण जानकारी और परिचालन डेटा साझा करेंगे जिसमें स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों की परफॉर्मेंस और 7 से 10 मई के बीच किए गए स्ट्राइक मिशन के परिणाम शामिल हैं। सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस सत्र में कई घटनाक्रमों पर चर्चा होगी जिसमें भारत के वायु रक्षा बलों द्वारा चीनी और तुर्किये निर्मित ड्रोनों और पीएल-15 मिसाइलों को नष्ट करना शामिल है जिससे भारतीय हवाई क्षेत्र में किसी भी तरह की घुसपैठ को रोका जा सका। यह कदम सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई के मीडिया को संबोधन के एक दिन बाद उठाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में मिले बजटीय और नीतिगत समर्थन ने एक मजबूत बहु-स्तरीय वायु रक्षा ग्रिड बनाने में मदद की। यह प्रणाली 9 और 10 मई को पाकिस्तान के जवाबी हवाई हमलों के दौरान एक निर्णायक ढाल साबित हुई।

पाकिस्तान का कबूलनामा- भारत की जवाबी कार्रवाई में सेना के 11 जवान मारे गए

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की। भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया, जिसमें 100 से अधिक आतंकी मारे ग, इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर 7 से 10 मई के बीच ड्रोन और मिसाइलों से कई बार हमले किए, जिसका भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने अपनी कार्रवाई में 11 एयरबेस को तबाह कर दिया। अब पाकिस्तान ने कबूल किया है कि भारत की कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 11 जवान मारे गए, जबकि 78 जवान घायल हुए हैं, इसमें 5 एयर फोर्स के अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने बताया है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान आर्मी के अब्दुल रहमान, दिलावर खान, इकरामुल्ला, ख़ालिद, मुहम्मद अदील अकबर, और निसार मारे गए हैं, जबकि पाकिस्तान वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ, मुख्य तकनीशियन औरंगजेब, चीफ तकनीशियन नजीब, कॉर्पोरल तकनीशियन फारूक और सीनियर तकनीशियन मुबाशिर की मौत हुई है। पाकिस्तान के स्क्वाड्रन लीडर उस्मान युसूफ सहित जो पाकिस्तानी वायुसेना के कुल पांच वायुसैनिक मारे गए हैं, वे सभी जकोकाबाद एयरबेस (सिंध प्रांत) में तैनात थे. उस्मान और उसके साथी जेएफ-17 से भारत के खिलाफ फ्लाई करने की तैयारी कर रहे थे, उसी दौरान भारत ने शहबाज एयरबेस पर अटैक कर दिया।

सैनिकों के बीच पहुंचे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। वहां उन्हें वायुसेना के जवानों ने जानकारी दी और जवानों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पाकिस्तान को दिए गए सख्त और स्पष्ट संदेश के एक दिन बाद, जम्मू-कश्मीर और सीमावर्ती शहरों में भी संघर्ष विराम व्यवस्था बरकरार रही। सोमवार रात को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने इस्लामाबाद के आतंकवादियों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ अपनी जवाबी कार्रवाई को रोक दिया है, इसे समाप्त नहीं किया है। उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद के खिलाफ अभियान स्थगित कर दिए गए हैं और भविष्य उनके व्यवहार पर निर्भर करेगा।

पीएम का संदेश खोदा पहाड़ निकली चूहिया जैसा : राकेश सिन्हा

झारखंड कांग्रेस के नेता राकेश सिन्हा ने कहा है कि देश की 140 करोड़ जनता चाहती थी कि पीएम मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन दें लेकिन संबोधन सुनने के बाद हमें लगा कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया। पीएम मोदी ने एक शब्द नहीं कहा कि क्या भारत ने किसी दूसरे देश की मध्यस्थता को स्वीकार कर लिया है। हमें लगता है पीएम मोदी ने बहुत कुछ राष्ट्र से छिपा लिया। उन्हें उस पर खुलकर बोलना चाहिए था। समझौते के तीन घंटे के अंदर पाकिस्तान ने गोलीबारी कर दी और हमारे जवान की शहादत ले ली। पीएम मोदी ने उस पर भी कुछ नहीं बोला।

धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहीं प्रभावितों की जिंदगी

भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। दोनों देशों के बीच की पैदा हुई तनाव की स्थिति को रोकने के लिए युद्ध विराम की घोषणा की गई थी। इसके तीन दिन बाद जम्मू कश्मीर, राजस्थान व पंजाब के कई इलाकों में अब जन जीवन सामान्य हो गया है। जम्मू कश्मीर के रियासी में जनजीवन अब पटरी पर लौटने लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स में सुबह के समय छात्र स्कूल जाते दिखाई दिए है। हालांकि, सांबा जिले के एक सीमावर्ती गांव के स्थानीय निवासियों को पाकिस्तानी सेना का डर सता रहा है, क्योंकि सोमवार रात को विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं और एक घर में छर्रे लगे। पाकिस्तान की गोलाबारी के कारण प्रभावित घर की छत और रसोईघर क्षतिग्रस्त हो गया है।स्थानीय निवासी दलबीर सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की गोलाबारी के कारण लगातार भय बना हुआ है। कल रात हमें कुछ पता नहीं था, लेकिन हमने शोर सुना। सुबह हमने देखा कि यह हुआ है। हालांकि, ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। जब विस्फोट हुआ तो हम सब घर पर थे। बाद में पुलिस आई और स्थिति का जायजा लिया। डर का माहौल है। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति कृष्ण चंद ने बताया कि जब विस्फोट हुआ तब वह बाहर बैठे थे। उन्होंने कहा, कल रात हमें कुछ पता नहीं था, लेकिन हमने शोर सुना। सुबह हमने देखा कि यह घटना हुई है। हालांकि, ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। विस्फोट के समय हम सभी घर पर थे। बाद में पुलिस आई और स्थिति का जायजा लिया। वहां डर का माहौल है। एक अन्य सीमावर्ती गांव के स्थानीय निवासी प्रखर सिंह ने कहा, जब ड्रोन से गोलीबारी हुई, तो मैं अपने बच्चों को शांत करने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान मानने को तैयार नहीं है। सोमवार शाम को सांबा में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोनों को रोका, जिसके बाद लाल धारियां देखी गईं और विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। सेना के सूत्रों ने बताया कि सांबा सेक्टर में कुछ संख्या में ड्रोन आए थे, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। सेना के सूत्रों ने बताया कि तुलनात्मक रूप से सांबा सेक्टर में बहुत कम संख्या में ड्रोन आए हैं और उन पर कार्रवाई की जा रही है तथा इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग पर अड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी के वक्तव्य को हमने सुना। उसके कुछ देर पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वक्तव्य भी सामने आया जिसने हर भारतीय को परेशान किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर के साथ सौदा और ट्रेड नहीं हो सकता। पवन खेड़ा ने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ट्रेड रोकने की धमकी के कारण बंद हुआ जो हमें बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है हमें उम्मीद थी कि पीएम मोदी इस पर प्रतिक्रिया देंगे हम 22 अप्रैल की शाम से मांग कर रहे हैं कि पीएम मोदी सामूहिक संकल्प का नेतृत्व करें और सर्वदलीय बैठक में शामिल हों लेकिन वे नहीं आए हम अपनी मांग दोहराते हैं कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कोहली-रोहित का संन्यास क्रिकेट का विराट युग समाप्त

> अगले महीने भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर जाना है। वहां 20 जून से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज आरंभ होगी। इस लिहाज से इसे एक झटका कहा जा सकता है। दो अनुभवी खिलाड़ियों की गैर हाजिरी से टीम के जीतने की संभावना क्षीण हो जाएगी। इंग्लैंड की धरती पर उन्हें हराना कठिन चुनौती है। विराट उम्र में रोहित से दो साल छोटे हैं इसलिए उनसे अभी ऐसी उम्मीद नहीं थी।

देश में क्रिकेट खेलने वाली नई पीढ़ी के प्रेरणा श्रोत रहे विराट कोहली व रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। देश के ये दोनों प्रमुख क्रिकेटरों ने टेस्ट मैचों से संन्यास का ऐलान कर भारतीय प्रशंकों मायूस किया है पर अभी दोनो वनडे व आईपीएल में खेलेंगे। कप्तान रोहित शर्मा के बाद 12 मई को पूर्व कप्तान विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अगले महीने भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर जाना है। वहां 20 जून से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज आरंभ होगी। इस लिहाज से इसे एक झटका कहा जा सकता है। दो अनुभवी खिलाड़ियों की गैर हाजिरी से टीम के जीतने की संभावना क्षीण हो जाएगी। इंग्लैंड की धरती पर उन्हें हराना कठिन चुनौती है। विराट उम्र में रोहित से दो साल छोटे हैं इसलिए उनसे अभी ऐसी उम्मीद नहीं थी। बीसीसीआई ने उनसे अपना फैसला बदलने के लिए भी कहा लेकिन विराट नहीं माने। वह इंग्लैंड दौरे के बाद यह निर्णय करते तो ज्यादा उचित होता। पर, रिटायरमेंट किसी भी खिलाड़ी का निजी फैसला होता है। इन दोनों ने जून 2024 में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद एक साथ ही टी-20 फार्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी।

अब टेस्ट मैच को इन्होंने लगभग एकसाथ ही अलविदा कह दिया है।विराट कोहली से सचिन तेंदुलकर के सौ शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने की उम्मीद की जा रही थी। पर, अब ऐसा नहीं होगा। अपने 14 साल के करियर में कोहली ने 123 टेस्ट खेले और कुल 9,230 रन बनाए। उनके नाम 30 शतक और 31 अर्ध शतक है। टेस्ट में 7 दोहरा शतक जड़ने वाले वे इकलौते भारतीय और दुनिया के एकमात्र कप्तान हैं। 254 नाबाद उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की जिसमें से 40 में जीत हासिल की। पिछले साल जब न्यूजीलैंड से भारत 3-0 से टेस्ट सीरीज हारा तब विराट कोहली और कप्तान रोहित की खूब आलोचना हुई थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले टेस्ट मैच में विराट ने पर्थ में शतक लगाकर अच्छा संकेत दिया था लेकिन बाद के मैचों में उनकी फार्म फिर गड़बड़ रही। भारत यह सीरीज हार कर स्वदेश लौटा। वनडे में उनके 50 से अधिक शतक हैं। एक शतक टी-20 में है। सौ का आंकड़ा बहुत दूर नहीं था। मैदान पर विराट की आक्रामक मुद्रा टीम में जोश भरने के लिए काफी है। टेस्ट मैचों में पिछले कुछ वर्षों से विराट और रोहित दोनों का प्रदर्शन उतार पर था। विराट ने टेस्ट क्रिकेट में दस हजार रन पूरे करने से पहले ही संन्यास ले लिया। कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का निर्णय अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता लेकिन विराट ने सबको चौंका दिया है। वह मौजूदा आईपीएल में भी उम्दा खेल दिखा रहे हैं। दो माह पहले दुबई में चैम्पियंस ट्राफी में उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध शतक भी लगाया था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फसलों की विविधता को कम करेगी बढ़ती गर्मी

मुकुल व्यास

ग्लोबल वार्मिंग दुनिया में फसलों की विविधता को कम कर सकती है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो विशाल क्षेत्र फसल विविधता खो सकते हैं, जिससे विश्वव्यापी खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि उच्च तापमान के कारण वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। फिनलैंड के आल्टो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नेचर फूड में प्रकाशित शोध में बताया कि तापमान,वर्षा पैटर्न और समग्र शुष्कता में परिवर्तन किस तरह दुनिया भर में 30 प्रमुख खाद्य फसलों के विकास को प्रभावित करेंगे। शोध के परिणाम बताते हैं कि निम्न अक्षांश क्षेत्र, खास कर उष्णकटिबंधीय देशों के बड़े हिस्से सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, इन क्षेत्रों में कृषि के लिए बहुत अधिक भूमि अनुपयुक्त होती जाएगी। साथ ही उगाई जा सकने वाली फसलों की विविधता में भी भारी गिरावट आएगी।

अध्ययन का नेतृत्व करने वाली शोधकर्ता सारा हेइकोनेन ने कहा कि विविधता के नुकसान का मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में खेती के लिए उपलब्ध खाद्य फसलों के दायरे में काफी कमी आ सकती है। इससे खाद्य सुरक्षा कम होगी और पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा। इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं। कई अन्य फसलें भी असुरक्षित हैं जिनमें अनाज और दालों के अलावा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगने वाली जड़ वाली फसलें शामिल हैं। जिमीकंद जैसी जड़ वाली फसलें कम आय वाले क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

यदि ग्लोबल वार्मिंग 3 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाती है तो इन देशों में वर्तमान उत्पादन का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैटी कुम्मू का कहना है कि जलवायु में अनुकूल बदलाव अधिक पैदावार की गारंटी नहीं देता है। जलवायु परिवर्तन से कुछ स्थानों पर उत्पादन बढ़ सकता है लेकिन वार्मिंग नए कीट पैदा कर सकती है और चरम मौसम की घटनाएं ला सकती है। खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे देश, खास कर अफ्रीकी देश पहले से ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं क्योंकि बढ़ते तापमान अन्य सामाजिक और आर्थिक दबावों के साथ मेल खाते हैं। कई कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में, खास तौर पर अफ्रीका में, दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में पैदावार कम है। ये देश उर्वरकों और सिंचाई तक अपनी पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन और भंडारण श्रृंखला के माध्यम से खाद्य नुकसान को कम करके वे अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि वैश्विक गर्मी इन अनुमानों में बहुत अधिक अनिश्चितता जोड़ेगी और संभवत: और भी अधिक कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जैसे कि अनुरूप फसल का चयन करना और प्रजनन के नए तरीके अपनाना। मॉडल के

जरिए अध्ययन और विश्लेषण करना आसान लगता है लेकिन यह समझना सबसे कठिन है कि बदलाव कैसे किए जाएं।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कम अक्षांश वाले देशों में नीति-निर्माताओं को कृषि के इंफ्रास्ट्रक्चर में अंतर को पाटने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए। साथ ही अधिक प्रतिकूल बढ़ती परिस्थितियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ऐसे प्रयासों के बिना स्थानीय समुदायों को, जो पहले से ही खाद्य कमी के खतरे में हैं, आने वाले वर्षों में और भी अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। दुनिया की खाद्य फसलों को सुरक्षित करना मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों के लिए किसानों और नीति निर्धारकों को लचीला बने रहना होगा। गर्मी नई फसलों के लिए द्वार खोल सकती है, लेकिन वैश्विक मांग और बाजार की ताकतों में बदलाव लोगों द्वारा खेती के लिए चुने जाने वाले तरीकों को और भी बदल सकते हैं।

एआई तकनीक से बदलते पढ़ने-पढ़ाने के तौर-तरीके

डॉ. मनु मिड्ढा

> जो अब केवल रोबोटिक्स या औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका उपयोग हो रहा है। एआई ने न केवल पढ़ाने के तरीके को बदला है, बल्कि सीखने, मूल्यांकन और विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जरूरतें समझने के नजरिए को भी क्रांतिकारी बना दिया। दरअसल हर विद्यार्थी की सीखने की क्षमता, गति और रुचि अलग-अलग होती है।

इक्कीसवीं सदी की अब तक की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धियों में से एक है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई। एक ऐसी तकनीक जो मशीनों को सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। एआई हमारे जीवन के हर पहलू को छू रही है। जो अब केवल रोबोटिक्स या औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका उपयोग हो रहा है। एआई ने न केवल पढ़ाने के तरीके को बदला है, बल्कि सीखने, मूल्यांकन और विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जरूरतें समझने के नजरिए को भी क्रांतिकारी बना दिया। दरअसल हर विद्यार्थी की सीखने की क्षमता, गति और रुचि अलग-अलग होती है। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में सभी छात्रों को एक समान तरीके से पढ़ाया जाता था, जिससे कई छात्र पीछे रह जाते थे। जबकि एआई आधारित लर्निंग टूल्स जैसे एडैप्टिव लर्निंग सिस्टम्स अब छात्र की सीखने की गति, रुचि, और कमजोरियों को ध्यान में रख उन्हें अनुकूल सामग्री प्रदान करते हैं।

मसलन, बायजूस, खान अकेडमी और कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म एआई की मदद से छात्रों को उनके स्तर के अनुसार टॉपिक्स सुझाते हैं और बेहतर समझाने के लिए पर्सनलाइज्ड कंटेंट प्रदान करते हैं। इससे छात्रों को अपनी गति से सीखने का मौका मिलता है, जिससे उनकी समझ और आत्मविश्वास बढ़ते हैं। एआई आधारित स्मार्ट ट्यूटर और चैटबॉट्स छात्रों को 24×7 सहायता प्रदान करते हैं। अब छात्रों को हर छोटी-छोटी शंका के लिए शिक्षक का इंतजार नहीं करना पड़ता। ये वर्चुअल असिस्टेंट तुरंत सवालों के जवाब देते हैं, चाहे वह गणित का जटिल फॉर्मूला हो या इतिहास की महत्वपूर्ण तारीख। वहीं डुओलिंगो जैसे प्लेटफॉर्म एआई का प्रयोग कर भाषा सीखने की प्रगति ट्रैक करते हैं व उसी मुताबिक नए पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जिससे सीखने की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनती है।

ध्यान रहे, एआई का मतलब यह नहीं कि शिक्षकों की जरूरत खत्म हो गई है। बल्कि, एआई ने शिक्षकों को और अधिक प्रभावी और डेटा-सक्षम बना दिया है। मसलन, अब शिक्षक यह समझ सकते हैं कि कौन-सा छात्र कहां पिछड़ रहा है और उसी के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन दे सकते हैं। वहीं एआई तकनीक की मदद से शिक्षक अपने समय का अधिकतम उपयोग पढ़ाने के अलावा मार्गदर्शन, प्रेरणा और रचनात्मक गतिविधियों के लिए कर पा रहे हैं। एआई शिक्षकों का सहायक बन शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ा रही है। यह भी कि एआई आधारित ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली अब उत्तरों का त्वरित और सटीक मूल्यांकन कर रही है। कई शिक्षण संस्थान एआई की मदद से क्विज़ का मूल्यांकन कर छात्रों को तुरंत परिणाम जारी कर सुधार के सुझाव देते हैं। इससे छात्रों को अपनी कमजोरियों का तुरंत पता चलता है जिनमें वे समय रहते सुधार कर सकते हैं। साथ ही, यह शिक्षकों का कीमती समय बचाती है, जिसे वे अन्य रचनात्मक और शैक्षिक गतिविधियों में लगा सकते हैं।

एआई ने शिक्षा को दुनिया के प्रत्येक कोने तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो स्कूल नहीं जा सकते, एआई आधारित वर्चुअल क्लासरूम और टूल्स ने उनके लिए नई राहें खोली हैं। स्पीच-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी तकनीकों ने दृष्टिहीन और श्रवण बाधित छात्रों को भी शिक्षा प्राप्ति का अवसर दिया है। इससे शिक्षा समावेशी बन रही है। एआई केवल पढ़ाई में सहायक नहीं है, बल्कि खुद एक महत्वपूर्ण कैरियर स्किल बन चुका है। आज स्कूलों और कॉलेजों में एआई, मशीन लर्निंग, और डेटा साइंस जैसे विषय पढ़ाए जा रहे हैं ताकि विद्यार्थी भविष्य की तकनीकी नौकरियों के लिए तैयार हो सकें। 'एआई फॉर यूथ' प्रोग्राम इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो युवाओं की एआई के कौशल विकास में मदद करता है। एआई केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं है, बल्कि यह शिक्षा में एक नई सोच का प्रतीक है। शिक्षा अब केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि समझ, अनुभव और नवाचार का केंद्र बन गई है। छात्र अब जिज्ञासु हैं, सवाल पूछते हैं और खुद से सीखने की कोशिश करते हैं।

एआई इस प्रक्रिया को निरंतर समर्थन प्रदान करता है, जिससे शिक्षा अधिक इंटरैक्टिव, रोचक और प्रभावी बनती है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने शिक्षा को स्मार्ट, व्यक्तिगत और इंटरेक्टिव बना दिया है। आज शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक के सहारे हर बच्चा, हर उम्र का व्यक्ति अपने समय व तरीके के हिसाब से सीख सकता है। हालांकि, एआई का उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। यह भी कि मानवीय शिक्षकों की भूमिका कभी खत्म नहीं होगी, बल्कि एआई उन्हें और बेहतर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। तो भविष्य की शिक्षा की शुरुआत हो चुकी है ज्और उसका नाम है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। जो कोई नागरिक इस बदलाव का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे एआई आधारित शिक्षा के अवसरों को अपनाएं और सीखने की इस नई क्रांति का आनंद लें!

गर्मियों की छुट्टियों में यहां घूमने का बनाएं प्लान

अप्रैल का महीना खत्म हो गया है और मई के महीने में गर्मी बढ़ जाती है और इसी महीने में अब बच्चों के स्कूल भी बंद हो जाते हैं। तो बच्चों की इन छुट्टियों में आप घुमने का प्लान बना सकते है। बहुत अधिक उमस भरी गर्मी होने के कारण इस माह आप परिवार या दोस्तों संग आराम से सफर का लुत्फ उठा सकते हैं। क्योंकि इस महीने ज्यादा छुट्टियां होती हैं तो वीकेंड ट्रिप पर सैर की योजना बनाई जा सकती है। अब सवाल है कि इस महीने ऐसे कौन से पर्यटन स्थल या शहर की यात्रा करें, जहां घूमने का मजा दोगुना हो जाए और मौसम की समस्या आड़े न आए? तो कई ऐसी जगहें का विकल्प है, जहां घूमने में आनंद भी आएगा और आपका पूरा पैसा वसूल हो जाएगा। खासकर अगर आप उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तो आपको कई विकल्प अपने ही राज्य में मिल सकते हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी कई विकल्प मौजूद हैं जहां आप घूमने जा सकते हैं।

वृंदावन

अगर आप यूपी या दिल्ली के आसपास के रहने वाले हैं तो अप्रैल में मथुरा – वृंदावन की यात्रा पर जा सकते हैं। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा वृंदावन धार्मिक स्थल होने के साथ ही खूबसूरत शहर भी है, जहां आप यमुना किनारे सुकून के पल बिता सकते हैं। लजीज स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं। यहां कई मंदिर हैं, जहां आपको जरूर जाना चाहिए। बांके बिहारी मंदिर, प्रेम मंदिर, राधारानी का मंदिर, निधि वन समेत गोकुल वृंदावन की तंग गलियां कान्हा की लीलाओं की कथा कहती हैं।

धर्मशाला

गर्मी में आप ठंडक को महसूस करना चाहते हैं तो किसी हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला हिल स्टेशन का तापमान तुलना में कम मिलेगा। यहां आप ठंडी हवाओं के बीच हरी भरी पहाड़ियों से घिरे मनमोहक नजारों का दीदार कर सकते हैं। ट्रिउंड ट्रेक पर रोमांचक ट्रेकिंग का आनंद उठा सकते हैं।

मसूरी

बजट में हिल स्टेशन की सैर करनी है, वो भी सिर्फ दो दिन की छुट्टी में तो उत्तराखंड के मसूरी हिल स्टेशन पर जाएं। यहां आप प्राकृतिक झरनों के अलावा दलाई हिल्स, बुद्ध टैंपल, धनौल्टी, सुरकंडा माता मंदिर, माल रोड, कंपनी गार्डन आदि जगहों की सैर दो दिन की ट्रिप में आसानी से कर सकते हैं। साथ ही यहां ठहरने और घूमने का खर्च भी कम ही आएगा। महज 4000 से 5000 में आप मसूरी की सैर कर सकते हैं।

वाराणसी

अगर आप वाराणसी जाने की लंबे समय से योजना बना रहे थे तो इस महीने में ही यात्रा कर लें क्योंकि इसके बाद उमस भरी गर्मी का मौसम आ जाएगा। बनारस यात्रा के लिए ये महीना उपयुक्त रहेगा। दो दिन की छुट्टी में आसानी से बनारस की सैर कर सकते हैं। गंगा नदी में स्नान कर सकते हैं, साथ ही गंगा घाट पर सुबह या शाम के वक्त बैठकर आरती होते देख सकते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

हंसना मना है

पति अपनी पत्नी से: मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी: ठीक है कुछ देर बाद। पति: मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी: नहीं अभी नहीं पति: क्यों? पत्नी: अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर: आपका रिजल्ट कैसा है? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पर लिखा था, कृपया शोर ना करे, किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नहीं? जरूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबैंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबैंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नहीं करती।

कहानी | चालाक लोमड़ी

एक जंगल में गधा, लोमड़ी और शेर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। एक दिन तीनों ने मिलकर शिकार करने की सोची। और सभी बराबर बांट कर खाएंगे। फिर वे शिकार के लिए निकल पड़े। कुछ ही दूरी पर उन तीनों को जंगल में हिरण दिखा। तीनों ने हिरण पर झपट्टा मारा लेकिन शेर ने हिरण का शिकार कर लिया। तीन हिस्से करने के लिए शेर ने गधे को कहा। गधे ने शिकार को तीन बराबर हिस्सों में बांट दिया। ये देखकर शेर को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो गुस्से में जोर-जोर से दहाड़े मारने लगा। शेर ने गधे पर हमला करके उसे अपने दांतों और पंजों की मदद से दो हिस्से में बांट दिया। तभी शेर ने एकदम से लोमड़ी को कहा, चलो दोस्त अब तुम इस शिकार का अपना हिस्सा ले लो। लोमड़ी चालाक और समझदार दोनों ही थी। उसने बड़ी ही अकलमंदी के साथ हिरण के शिकार का तीन चौथाई हिस्सा शेर को दे दिया और खुद के लिए एक चौथाई हिस्सा ही बचाया। ये देख शेर बहुत खुश हुआ। उसने हंसते हुए लोमड़ी से कहा कि अरे वाह! तुमने एकदम मेरे मन का काम किया है। तुम्हारा दिमाग काफी तेज है।' इतना कहते ही शेर ने लोमड़ी से पूछा, 'तुम इतनी समझदार कैसे हो? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या चाहता हूं? तुमने इतना अच्छे से शिकार का हिस्सा लगाना कहां से सीखा है?' लोमड़ी बोली कि आप जंगल के राजा हैं और आपको कैसे हिस्सा लगाना है, ये समझना मुश्किल नहीं है। साथ ही मैंने उस गधे की हालत भी देख ली थी। उसके साथ जो कुछ भी हुआ उससे सीख लेते हुए मैंने ऐसी समझदारी दिखाई है।' जवाब सुनकर शेर काफी खुश हुआ। उसने कहा कि तुम सच में बुद्धिमान हो।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है।

वृषभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

मिथुन परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें। शत्रु शांत रहेंगे।

सिंह धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

धनु भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न उठाएं। जल्दबाजी से चोट लग सकती है।

कुम्भ यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

मीन धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

'मैंने चुप रहना बेहतर समझा'

पति प्रिंस से अलगाव की अफवाहों पर बोलीं युविका

प्रिंस नरूला और युविका चौधरी की मुलाकात 'बिग बॉस 9' के दौरान हुई, इसके बाद ही ये रिलेशनशिप में आए। साल 2018 में ये दोनों शादी के बंधन में बंध गए। पिछले साल इनके अलगाव की खबरों ने तब जोर पकड़ा, जब युविका और प्रिंस माता-पिता बने। दरअसल, प्रिंस ने बेटी के जन्म पर कहा था कि युविका ने इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी। जिस दिन युविका हॉस्पिटल पहुंची, प्रिंस शूटिंग में व्यस्त थे। इसी बात के कारण ही प्रिंस और युविका के अलगाव की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। अब युविका ने इन्हीं सब अफवाहों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। युविका कहती हैं, 'हम दोनों घर पर नहीं बैठ सकते थे किसी को बाहर जाकर काम करना था। मैं भी खुश थी प्रिंस हमारे लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। प्रिंस अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त रहते थे, उसी दौरान हमारा घर भी बन रहा था। प्रिंस घर और काम दोनों को देख रहे थे। उसी दौरान कुछ लोगों ने मेरा व्लॉग देखा और अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि हमारा अलगाव हो रहा है। इस वजह से हमारे पैरेंट्स काफी परेशान हो गए।' युविका आगे कहती हैं, 'अगर मैं मीडिया में आकर इन बातों के बारे में सफाई देती तो ये बातें और बढ़ सकती थीं। ऐसे में मैंने चुप रहना ही बेहतर समझा। मुझे पता था एक दिन सब कुछ नॉर्मल हो जाएगा। जबकि प्रिंस मुझे अलग हैं। वह काफी इमोशनल, हाइपर भी हैं। इसके बावजूद हमने इस सिचुएशन को अच्छे से हैंडल किया।' इन दिनों युविका चौधरी करियर ब्रेक पर हैं, वह अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान दे रही हैं। साथ ही अपना एक व्लॉगिंग चैनल भी यूट्यूब पर चलाती हैं। युविका ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'ओम शांति ओम' से की थी, इसके बाद वह कई फिल्मों, टीवी सीरियल और रियालिटी शो में नजर आईं।

हमने पाक के इरादों को तोड़ा है: शेट्टी

ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम के संबोधन पर दी प्रतिक्रिया, कहा- हमें एकजुट रहना होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज सोमवार 12 मई को रात आठ बजे देश को पहली बार संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ भारत की नीति है। पीएम मोदी के संबोधन पर एक्टर सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कहा, हमें हमेशा वही एकता दिखानी चाहिए, जो हमने दिखाई है। हमारे हौसले बुलंद हैं। जब हम एकजुट नहीं होते हैं, तो हम कमजोर हो जाते हैं। हमें एकजुट रहना होगा। सुनील शेट्टी ने आगे कहा, हमारी आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के चीफ ने कल सबको समझा दिया, सबूत के साथ कि हमने क्या कर दिया और हम क्या करने के काबिल हैं। मेरे ख्याल से इससे बड़ी बात कोई नहीं है। यही कहूंगा कि भारत माता की जय और हमने जो एकता इस बार दिखाई है, वो हमेशा रहनी चाहिए। हर दिन हर काम के लिए। अच्छाई के लिए और देश के हित के लिए हम काम करते हैं तो एकजुट होकर ही बात करनी चाहिए। न कि टूटकर अलग-अलग बात करनी चाहिए। एक्टर से पूछा गया कि पीएम मोदी ने आज देश के नाम संबोधन में कहा कि हमने पाकिस्तान के इरादों को तोड़ा है, आपका क्या कहना है? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा, बिल्कल 100 पर्सेंट तोड़ा है और हमारे इरादों को और बुलंद किया हुआ है। हर नागरिक के इरादों को बुलंद किया हुआ है। हमेशा हम कमजोर तब होते हैं, जब हमारे घर में ही एक वीकनेस आ जाती है, तब मां-बाप कमजोर पड़ जाते हैं। अगर मां-बाप को मजबूत रखना है तो परिवार को एकजुट होना पड़ेगा। इस बार मैंने ये देखा है भारत में कि हम एकजुट हुए हैं। क्या आपको लगता है कि जिस तरह का जवाब मिला है, पाकिस्तान अब फिर से हिम्मत करेगा। इस पर एक्टर ने कहा, वो पाकिस्तान है।

बॉलीवुड **अपकमिंग**

फिल्म जय हनुमान से जुड़े भूषण कुमार

कांतारा स्टार ऋषभ शेट्टी अब एक और ऐतिहासिक व पौराणिक फिल्म 'जय हनुमान' लेकर आ रहे हैं। 'हनु मान' को बनाने वाले प्रशांत वर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। अब ताजा जानकारी ये है कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार इस फिल्म को प्रेजेंट करेंगे। भूषण कुमार के मैत्री मूवी मेकर्स के साथ जुड़ने से यह एक बड़ा कोलैबरेशन हो गया है। दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्सुक हैं। इस नए कोलैबरेशन के बारे में बात करते हुए भूषण कुमार ने कहा, जय हनुमान के साथ हम बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक रूप से जुड़ी इस कहानी कहने में आगे बढ़ रहे हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के साथ सहयोग करते हुए हम एक ऐसी फिल्म पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो भारतीय सिनेमा और भक्ति का उत्सव है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी का अभिनय इसे और खास बनाता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने कहा, हमें हर जगह के दर्शकों के लिए 'जय हनुमान' लाने पर गर्व है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो हमारे दिल के करीब है। हम फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी को शामिल करके खुश हैं। टी-सीरीज के साथ जुड़ने से हम काफी उत्साहित हैं और फिल्म को और भी बड़े स्तर पर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'जय हनुमान' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। जो पौराणिक कथाओं को आधुनिक फिल्म निर्माण की तकनीकों से साथ जोड़ता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक प्रशांत वर्मा ने कहा, फ्रयह फिल्म न केवल भगवान हनुमान की भक्ति और साहस के बारे में है, बल्कि यह ये भी दिखाती है कि विश्वास की शक्ति पहाड़ों को भी हिला सकती है। जय हनुमान जल्दी ही फ्लोर पर आएगी। ऋषभ शेट्टी की बात करें तो अभिनेता अभी अपनी फिल्म 'कांतारा 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। 'कांतारा 2' इसी साल 2 अक्टूबर को रिलीज होनी है।

अपने गांव का नाम लेने में शर्माते हैं ग्रामीण, उड़ने लगता है मजाक

इंसान जिस धरती पर जन्म लेता है, उस पर उसे हमेशा ही गर्व महसूस होता है। जिस जगह उसका जन्मस्थान है, उसका नाम कभी भी लेना हो, तो गर्व से ही लिया जाता है। सोचिए, भला ऐसा भी हो सकता है कि अपने गांव-घर का नाम बताने में किसी को शर्म आए। और अगर ऐसा हो भी तो क्यों? उन्हें इसका नाम लेने छोड़िए देखने में भी शर्म आती है। वजह जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। कई बार माता-पिता बच्चों का नाम ऐसा रख देते हैं कि बड़े होकर उन्हें बताने में भी शर्म महसूस होती है। हालांकि यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले लोगों के साथ ऐसा ही हो रहा है। यहां के ग्रामीणों के लिए उनके गांव का नाम ही उनकी परेशानी का कारण बना हुआ है। अब आप भी सोचेंगे कि भला ऐसा भी क्या नाम होगा इस गांव का, जो सोशल मीडिया पर लिखने तक में लोगों को सेंसरशिप का डर सताने लगता है। डेली स्टार कि रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव का नाम ऐसा ऐसा है कि साइन बोर्ड पढ़कर ड्राइवर्स चौंक जाते हैं। इसे पढ़ते हुए ड्राइवर का दिमाग भटक जाता है और कई बार एक्सीडेंट तक हो जाता है। यूनाइटेड किंगडम के कॉर्नवॉल में मौजूद इस गांव का नाम Cocks है। ये गांव हमेशा ही मज़ाक, चुटकुलों और तानों की वजह बना रहता। इधर से गुजरने वाले शरारती लोग तो गांव का साइन बोर्ड तक अपने गाड़ी के साथ उखाड़कर ले जाते हैं। कई बार तो बोर्ड देखकर लोग हंसी-मजाक करने लगते हैं। ये तो बात रही बाहरवालों की, खुद ग्रामीण भी गांव के नाम से दुखी ही रहते हैं। एक बार तो इन परिस्थितियों के चलते अधिकारियों ने इसका नाम Cocks से बदलकर Co& भी करने का सोच लिया था। हालांकि खुद गांववालों ने फिर इसे बदलने से इनकार कर दिया। उन्हें लगता है कि ये उनके पूर्वजों की निशानी है। हालांकि दिक्कत ये है कि जब वे किसी को पता बताते हैं तो अगला इंसान गांव का नाम सुनते ही हंस पड़ता है और मजाक करने लगता है। नाम छोड़ दें तो गांव में सब कुछ अच्छा है।

अजब-गजब **सौ सालों से बंद था घर का दरवाजा**

शख्स को दिखा दूसरी दुनिया का रास्ता!

आज के समय में लोग ज्यादातर प्रॉपर्टी में ही इन्वेस्ट करना पसंद करते हैं। आखिर करें भी क्यों नहीं। अभी यही मार्केट सबसे ज्यादा बूम कर रहा है। जिस प्रॉपर्टी को आप अभी जिस रेट में खरीद रहे हैं, कुछ साल बाद उसके दाम शायद दोगुने हो जाएं। इस वजह से लोग जमीन या घर खरीदने में ही पैसे इन्वेस्ट करते हैं। कई लोगों को पुस्तैनी चीजों में काफी इंट्रेस्ट होता है। ऐसे में वो पुरानी चीजों को खरीदने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार इसके बाद लोगों की किस्मत ही पलट जाती है। सोशल मीडिया पर एक शख्स ने अपने साथ हुई ऐसी ही एक घटना शेयर की। इस शख्स ने 1900 में बने एक घर को खरीदने में अपनी सारी सेविंग्स लगा दी। लेकिन चूंकि ये घर काफी पुराना था इस वजह से अंदर लगी लकड़ियां दीमक खा गई थी। जब घर का रिनोवेशन करवाया गया, तो शख्स के होश ही उड़ गए। अंदर एक ऐसा रास्ता था, जो अंडरग्राउंड दुनिया को जाता था। शख्स ने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की, जहां से ये वायरल हो गई। मामला यूके का है। 2020 में बेन मन और उनकी पत्नी किम्बर्ली ने एक घर खरीदा था। ये घर सौ साल पुराना था। इसके पिछले मालिक को किसी तरह इसे बेचकर पीछा छुड़ाना था। इस वजह से कपल को बेहद सस्ते दाम पर घर मिल गया। लेकिन पुराना होने की वजह से घर में लगी लकड़ियां खराब हो गई थी। जब घर का रिनोवेशन किया जा रहा था, तब इसके कालीन को उठाते ही उनके सामने एक राज आ गया। कालीन के नीचे की टूटी लकड़ी से उन्हें कुछ सीढ़ियां दिखी, जो अंदर की तरह जा रही थी। जब कपल इन सीढ़ियों के जरिये नीचे गया तो उनके होश ही उड़ गए। ये वाइन सेलर था। अंदर नमी के कारण काफी दुर्गन्ध आ रही थी। कपल ने बताया कि अगर सीढ़ियां नहीं होती तो उन्हें कभी इस कमरे के बारे में पता ही नहीं चलता। लेकिन अब उन्होंने इस कमरे का कायाकल्प कर डाला है। अंदर एक सोफा, प्रोजेक्टर और बार आपको मिल जाएगा। अपने घर के अंदर बने इस सीक्रेट कमरे ने कपल को खुशियों से भर दिया। वो इस कमरे का जमकर फायदा उठा रहे हैं।

बीजेपी पीड़ित परिवारों के दुखों पर नमक छिड़क रही है : उद्धव

» यूबीटी शिवसेना ने तिरंगा यात्रा को लेकर सामना में उठाए सवाल

» ठाकरे बोले- पाकिस्तान में जीत का जश्न क्यों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर बीजेपी अलग-अलग राज्यों में तिरंगा यात्रा निकाल रही है, जिसपर उद्धव ठाकरे गुट ने निशाना साधा है। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना संपादकीय में बीजेपी की तिरंगा यात्रा पर निशाना साधते हुए लिखा गया है, बीजेपी के मौजूदा नेता एक जटिल नाटक हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। इतना ही नहीं, संपादकीय में सवाल उठाया गया है कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पूरा हो गया है? व्यापार रोकने की धमकी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे कैसे रोक दिया?

मुखपत्र में कहा गया है कि बीजेपी उन परिवारों के दुखों पर नमक छिड़क रही है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। पहलगाम हमला भारतीय क्षेत्र में हुआ क्या देश के गृह मंत्री को इसकी जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए? अगर गृह मंत्री अमित शाह ने 26 हत्याओं में अपनी गलती स्वीकार की है, तो उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया जाना चाहिए? पहलगाम हमले में शामिल पांच-छह आतंकवादियों का पता नहीं चल पाया है, वे कहां चले गए? ,भारत ने 11 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया, क्या पहलगाम के इन अपराधियों को बदले में नहीं मारा जाना चाहिए? – यह जिम्मेदारी पूरी तरह से अमित शाह की है, वे सज्जन अभी कहां हैं? उद्धव ठाकरे ने सामना में लिखा है, कहा जाता था कि भारत पाकिस्तान को ऐसा करारा झटका देने जा रहा है कि पाकिस्तान फिर कभी जमीन से उठ नहीं पाएगा. आज पाकिस्तान में युद्ध की जीत का जश्न किस आधार पर मनाया जा रहा है? क्या यह युद्ध पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर कब्जा करने के लिए था? तो भारत को पीओके का कितना इंच हिस्सा मिला?

पूर्व सीएम बोले - 56 इंच के सीने पर पिन चुभोकर हवा निकाल दी

बीजेपी का नाटक घिनौना : सामना संपादकीय

उद्धव ठाकरे गुट का कहना है कि बीजेपी को अपनी यात्रा में ट्रंप के झंडे और पोस्टर लगाने चाहिए. संपादकीय में लिखा है, बीजेपी ने जो नाटक किया है, वह भयानक और घिनौना है। संपादकीय में अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा गया है कि पीएम मोदी को सबसे पहले निष्क्रिय गृह मंत्री को हटाना चाहिए था और फिर उन्हें 12 घंटे तक बिना कैमरे के केदारनाथ गुफा में जाकर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए था कि क्या ऑपरेशन सिंदूर वास्तव में सफल रहा?

ट्रंप की गुलामी स्वीकार कर ली

सामना में लिखा गया, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन से घोषणा की कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध रोक दिया है. यह एक संप्रभु राष्ट्र पर हमला है. क्या भारत के 56 इंच के सीने पर पिन चुभाना और उसकी हवा निकाल देना प्रधानमंत्री मोदी को स्वीकार्य है? भारत ने पाकिस्तान को सबक नहीं सिखाया। इसके बजाय, उसने डोनाल्ड ट्रंप की गुलामी स्वीकार कर ली।

मजबूत राजनेता साबित हुए मोदी : सुखवीर सिंह

» युद्ध विराम की आलोचना करने वाले नेताओं पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। साथ ही कहा है कि युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मजबूत राजनेता साबित हुए हैं। उन्होंने बॉर्डर पार शांति के दुश्मनों से निपटने के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाया। सुखबीर ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी अगुवाई के कारण ही पाकिस्तान को युद्ध विराम के लिए भीख मांगने के लिए वाशिंगटन भागना पड़ा। युद्ध के मैदान में निर्णायक जीत के बाद प्रधानमंत्री ने संघर्ष विराम के उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए एक राजनेता की तरह काम किया। जीत के बाद शांति सबसे सम्मानजनक रास्ता है।

सुखबीर ने कहा कि संकट के दौरान सिख समुदाय देश के साथ चट्टान की तरह खड़ा रहा। पंजाबियों ने साबित कर दिया कि जब देश को बाहरी आक्रमण का खतरा होता है तो सिख हमेशा पहली लाइन में खड़े होते हैं। पाकिस्तान ने यह कहकर सिखों के दिल दिमाग में नफरत के बीज बोने की पूरी कोशिश की कि भारत ननकाना साहिब को निशाना बना रहा है, लेकिन समुदाय ने इस तरह के झूठ को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होने कहा कि समुदाय कभी भी युद्ध नही चाहता और केंद्र सरकार को अपने और देश के हित में काम करने का आभारी है। सुखबीर ने प्रधानमंत्री से अपील की कि सिख समुदाय भाई बलवंत सिंह राजोआणा सहित सिख बंदियों की निरंतर कैद का उचित समाधान चाहते हैं।

कश्मीर दो देशों का आंतरिक मसला दोनों ही सुलझाएंगे:विक्रमादित्य सिंह

» बोले- आज पूरा देश सेना के साथ चट्टान की तरह खड़ा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि भारतीय सेना की पाकिस्तान के खिलाफ की गई कार्रवाई को पूरे देश ने सराहा है। आज पूरा देश भारतीय सेना के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी लोकसभा के विपक्ष के नेता हैं। उन्होंने इस मामले को लेकर स्पेशल सदन बुलाने की बात कही है। पाकिस्तान आतंकियों का गढ़ है। वर्ष 1971 के बाद ऐसा हुआ है। आतंकियों ने संसद में हमला किया। पठानकोट और मुंबई में भी धमाके किए। कश्मीर के भीतर अटैक किया।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि इस पूरे मामले पर सदन में हो चर्चा होनी चाहिए। भारत और पाक युद्ध मामले में जिस तरह अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट में बात कही, इस पर उन्होंने कहा कि कश्मीर का यह दो देशों का आंतरिक मसला है। भारत और पाक को ही इसे सुलझाया जाना है। सदन में सभा विपक्ष और विपक्ष के नेताओं में चर्चा होने पर इस मामले में पूरी स्पष्टता सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत व हिमाचल में तुर्की का सेब आना चिंता का विषय है।

मोदी भारतीयों की भावनाओं को कब समझेंगे

» जीतू पटवारी बोले- इंदिरा फिर तेरी याद आई कार्यक्रम करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर' पर पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि 22 मिनट के संबोधन में पीएम मोदी ने वही कहा जो सशस्त्र बल नियमित रूप से बता रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह पाकिस्तान था जिसने युद्ध विराम की अपील की थी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने युद्ध विराम में मध्यस्थता की और आज ही चेतावनी भी दी कि अगर संघर्ष जारी रहा तो व्यापार रोक दिया जाएगा। जबकि पीएम मोदी पाकिस्तान की चिंताओं पर विचार करते दिखे, लेकिन सवाल यह है कि वे भारतीयों की भावनाओं को कब संबोधित करेंगे?

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस 'इंदिरा फिर तेरी याद आई' कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसे लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि इंदिरा ने पाकिस्तान को बांग्लादेश को अलग किया तब जब भारत के पास कुछ नहीं था। तब ऐसा निर्णय लिया कि देश आज उनकी कमी और नेतृत्व को याद कर रहा है। आसान नहीं होता इंदिरा गांधी हो जाना। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल हो रहे हैं जो भारत की आर्थिक स्थिति आज है तब नहीं थी। तब भी उनका नेतृत्व तगड़ा था। भाषण देने में और युद्ध लड़ने में, देश की आवाज को समझने में अंतर होता है जो आज साफ साफ दिख रहा है।

मप्र में सरकार ने कोई भी वादा पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आगे कहा कि दिन ब दिन कर्ज सर चढ़कर बोल रहा है, अर्थव्यवस्था टूट रही है। भोपाल जैसे हादसे हो रहे हैं, कोई वादे पूरे करने के कोई प्रयास नहीं किए गए। जो इन्वेस्टर मीट की उसका भी कोई इनपुट-आउटपुट नहीं मिला। 20 हजार करोड़ खर्च किए। कानून व्यवस्था को सुधारने पर भी कोई काम नहीं हुआ। यह सरकार सर्कस है और इसके सारे मंत्री जमूरे।

आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची मंधाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» त्रिकोणीय सीरीज में 11वें शतक के साथ स्मृति ने ब्यूमोंट को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को त्रिकोणीय सीरीज में दमदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। वह एक स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में दूसरे पायदान पर पहुंच गईं। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई इस सीरीज में भारत ने शानदार जीत दर्ज की थी। फाइनल मुकाबले में भारत ने मंधाना की शतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका को 97 रन से हराया था। अब उन्हें इस प्रदर्शन का लाभ मिला है।

इस सीरीज के फाइनल मुकाबले में 28 वर्षीय बल्लेबाज ने 116 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। इस दौरान उनके बल्ले से 15 चौके और दो छक्के निकले। अपने करियर के 11वें शतक के साथ मंधाना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। वह सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गईं। इस मामले में वह इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट से आगे निकल गईं, जिन्होंने इस प्रारूप में 10 शतक लगाए हैं। इसी के साथ मंधाना आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। पहले स्थान पर 738 रेटिंग अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लाउरा वोलवार्ड्ट हैं। मंधाना पहला स्थान हासिल करने से कुछ कदम दूर हैं। उनके खाते में 727 रेटिंग अंक हैं। मंधाना इस सीरीज में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज थीं। उन्होंने 52.80 के औसत से 264 रन बनाए थे।

टेस्ट से संन्यास की फर्जी खबरों पर शमी का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली। भारतीय टीम को एक हफ्ते में दो झटके लगे हैं। रोहित शर्मा ने सात मई और विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टेस्ट से संन्यास की चर्चाएं होने लगीं, जिसकी खबरें कुछ मीडिया चैनलों ने प्रकाशित कीं। इन पर अनुभवी गेंदबाज का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर इन संस्थानों को जमकर लताड़ लगाई और साफ कर दिया कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे।

न्यायमूर्ति बी आर गवई भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश बने

» राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ सेवानि. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की जगह लेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने बुधवार को देश के 52वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। न्यायमूर्ति गवई को राष्ट्रपति भवन में एक संक्षिप्त समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की जगह ली है जो 65 वर्ष की आयु होने पर मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए।

न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। 24 नवंबर, 1960 को अमरावती में जन्मे, वे 16 मार्च, 1985 को बार में शामिल हुए और बॉम्बे हाई कोर्ट और बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में अपनी प्रैक्टिस शुरू की। उन्हें 17 जनवरी, 2000 को नागपुर बेंच के लिए सरकारी वकील और लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। उन्हें 14 नवंबर, 2003 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और नवंबर 2005 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने।

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का संक्षिप्त परिचय

न्यायमूर्ति गवई, प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ आरएस गवई के पुत्र हैं, जो बिहार और केरल के राज्यपाल थे। वे एक ऐसे परिवार से हैं जो बीआर अंबेडकर के आदर्शों को बढ़ावा देने में गहराई से लगे हुए हैं। उनके पिता एक प्रमुख अंबेडकरवादी और पूर्व सांसद थे। महाराष्ट्र के एक गांव में जन्मे न्यायमूर्ति गवई ने कहा है कि उन्हें अभी भी साल में तीन बार अपने गांव जाना पसंद है, खासकर अपने दिवंगत पिता की जयंती और पुण्यतिथि पर और अपने गांव में होने वाले वार्षिक मेले के दौरान। पिछले छह वर्षों में, वे संवैधानिक और प्रशासनिक कानून, नागरिक कानून, आपराधिक कानून, वाणिज्यिक विवाद, मध्यस्थता कानून, बिजली कानून, शिक्षा मामले, पर्यावरण कानून आदि सहित विभिन्न विषयों से संबंधित मामलों से निपटने वाली लगभग 700 पीठों का हिस्सा रहे हैं। न्यायमूर्ति गवई 23 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

जस्टिस बीआर गवई ने बुलडोजर पर दिया था अहम फैसला

जस्टिस बीआर गवई के मुख्य फैसलों की बात करें तो उनमें बुलडोजर जस्टिस के खिलाफ तोड़फोड़, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखना, डिमोनेटाइजेशन को बरकरार रखना, अनुसूचित जाति कोटे में उप-वर्गीकरण को बरकरार रखना जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं। बुलडोजर जस्टिस पर फैसला सुनाते समय उन्होंने आश्रय के अधिकार के महत्व पर जोर दिया था। मनमाने ढंग से तोड़फोड़ की निंदा करते हुए उन्होंने इस तरह की कार्रवाईको प्राकृतिक न्याय और कानून के शासन के सिद्धांतों के खिलाफ बताया था। अपने फैसले में उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि कार्यपालिका, जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका नहीं निभा सकती है।

सर्वदलीय बैठक में उठायेंगे सीजफायर मामला : खरगे

ट्रंप के दावे पर बोले कांग्रेस अध्यक्ष, कहा- गोपनीय बातें बाहर नहीं उठा सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौते का श्रेय लेने पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि यह मामला गोपनीय है और इस पर सर्वदलीय बैठक में चर्चा की जाएगी।

खड़गे ने संवाददाताओं से कहा कि यह गोपनीय मामला है। हम सर्वदलीय बैठक में हर बात पर चर्चा करेंगे। इस बारे में यहां बात करना उचित नहीं है। भाकपा नेता डी राजा ने कहा कि प्रधानमंत्री को विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए और इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना जरूरी है। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने की समझ की ओर बढ़ने के बीच, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता टीकेएस एलंगोवन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता के कथित प्रयासों का स्वागत करते हुए इसे एक अच्छा कदम कहा। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार को ट्रम्प के साथ हुई चर्चाओं की प्रकृति को स्पष्ट करना चाहिए, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात अपने संबोधन में इसका उल्लेख नहीं किया।

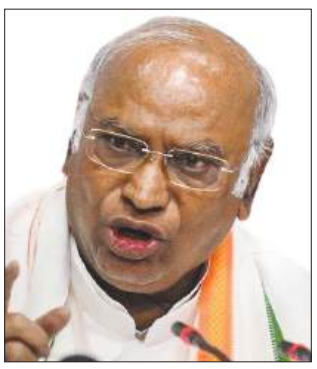

विपक्ष के उठाए सवालों का जवाब दें पीएम : डी.राजा

डी राजा ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। लेकिन पीएम को कुछ प्रासंगिक सवालों के जवाब देने चाहिए थे। पहलगाम आतंकी हमला कैसे हुआ? हमारी ओर से क्या चूक हुई? भारत और पाकिस्तान के बीच समझ कैसे बनी और अमेरिका की क्या भूमिका थी? सच्चाई क्या है? आगे क्या होगा, कोई नहीं जानता। हमारी पार्टी संसद के विशेष सत्र की मांग कर रही है, पीएम को सरकार की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

आतंकवादियों का सफाया किया जाना चाहिए : एलनगोवन

डीएमके नेता एलनगोवन ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि उन्होंने युद्ध रोकने के लिए दोनों सरकारों से चर्चा की थी और प्रधानमंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। ट्रंप ने यह बयान क्यों दिया? क्या उन्होंने भारत सरकार से बात की? अगर उन्होंने चर्चा की है, तो उन्हें कहना चाहिए। युद्ध रोकना ट्रंप का एक अच्छा कदम है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ अपनी पार्टी के रुख को दोहराते हुए कहा कि इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है और आतंकवादियों का सफाया किया जाना चाहिए। हालांकि, डीएमके नेता ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच हुई चर्चा का आधार सामने आना चाहिए।

बीजेपी-आरएसएस की मानसिकता महिला विरोधी

बीजेपी-आरएसएस की मानसिकता महिला विरोधी रही है। पहले पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफिसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया, फिर विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बेटी को तंग किया और अब भाजपा के मंत्री हमारी वीरांगना सोफिया कुरैशी के लिए ऐसी अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि मोदी जी को तुरंत ऐसे मंत्री को बर्खास्त कर देना चाहिए। भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री ने हमारी वीर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में बेहद अपमानजनक, शर्मनाक और ओछी टिप्पणी की है।

चीन ने फिर बदले अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों के नाम

» भारत ने दिया करारा जवाब- अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश राज्य में स्थानों का नाम बदलने के चीन के निरंतर प्रयासों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों में लगा हुआ बयान में आगे कहा गया है, हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इस तरह के प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं।

रचनात्मक नामकरण से इस निर्विवाद वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आएगा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के ''बेतुके'' प्रयासों से यह ''निर्विवाद'' सच्चाई नहीं बदलेगी कि यह राज्य ''भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।'' भारत ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के लिए चीन द्वारा उसके नामों की घोषणा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की है। चीन दावा करता है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का दक्षिणी भाग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के व्यर्थ और बेतुके प्रयास किए हैं।उन्होंने कहा, ''हम इस तरह के प्रयासों को अपने सैद्धांतिक रुख के अनुरूप स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं।'' जायसवाल ने इस मुद्दे पर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, ''रचनात्मक नाम रखने से यह निर्विवाद वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।

उन्होंने कहा कि चीन भारत और पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने और दोनों देशों के बीच पूर्ण और स्थायी युद्ध विराम को साकार करने और क्षेत्र को शांतिपूर्ण और स्थिर रखने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। चीन ने सोमवार को भारत और पाकिस्तान के बीच आपसी समझ का स्वागत करते हुए कहा कि यह दोनों देशों के मौलिक और दीर्घकालिक हित में है और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल है। बीजिंग में भारतीय दूतावास ने पहले सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को चेतावनी दी थी कि वह सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले संदेशों की पुष्टि कर ले।

राष्ट्रपति से मिले तीनों सेना प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी, जिसे भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दी जानकारी

राष्ट्रपति ने दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीर साझा की। राष्ट्रपति भवन ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।

पाक ने भारत को लौटाया बीएसएफ जवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के तनाव के बीच बीएसएफ जवान पीएके शॉ की वतन वापसी हो गई है। पाकिस्तान ने उन्हें भारत को लौटा दिया है। पीके शॉ 23 अप्रैल को गलती से पाकिस्तान की सीमा में चले गए थे। इसके बाद उन्हें पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार कर लिया था। पीके शॉ को 20 दिनों के बाद रिहा किया गया है।

वाघा-अटारी बॉर्डर से हुई वतन वापसी

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने पीके शॉ की वापसी को लेकर प्रेस रिलीज जारी की है। बीएसएफ ने बताया, आज बीएसएफ के जवान कॉन्स्टेबल पूर्णम कुमार शॉ अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत आ गए हैं। पूर्णम 23 अप्रैल 2025 को ड्यूटी के दौरान गलती से पाकिस्तानी सीमा में चले गए थे। पीके शॉ उस वक्त पाक सीमा में जा पहुंचे जब दोनों ही देशों के बीच के हालात बिगड़ने लगे। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ, हालांकि इसका पीके शॉ की रिहाई पर असर नहीं पड़ा।

पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं बीएसएफ जवान पीके शॉ

बीएसएफ जवान पीके शॉ पंजाब के फिरोजपुर बॉर्डर से पाकिस्तान की सरहद में चले गए थे। वे मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। पीके शॉ की पत्नी रजनी साहू इस मामले को लेकर काफी परेशान चल रही थीं। वे पति की रिहाई के लिए चंडीगढ़ पहुंच गई थीं। उन्होंने यहां बीएसएफ के अधिकारियों से मुलाकात की थी।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में हथियार बरामद

श्रीनगर। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। यहां 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे।शोपियां जिले के केलर स्थित शुकरू फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई थी। इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।